रंगमोहल उतर दिशा की शोभा

पुखराज पहाड़
ढपो चबूतरा & मूल कुण्ड
ढपी खुली जमुनाजी

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

पुखराज पहाड़
ढपो चबूतरा
मूल कुण्ड
ढपी खुली जमुनाजी

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
अष्टमी	पुखरज पहाड़ की तलहटी
नवमी	पुखरज पहाड़ की हजार हांस की चादनी
दसमी	पुखरज पहाड़ का आकाशी महल
एकादशी	बंगलजी – पुखराजी ताल
द्वादशी	बंगलाजी
त्रयोदशी	अधबीच का कुण्ड'
चतुदर्शी	ढपो चबूतर , मूल कुण्ड

रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

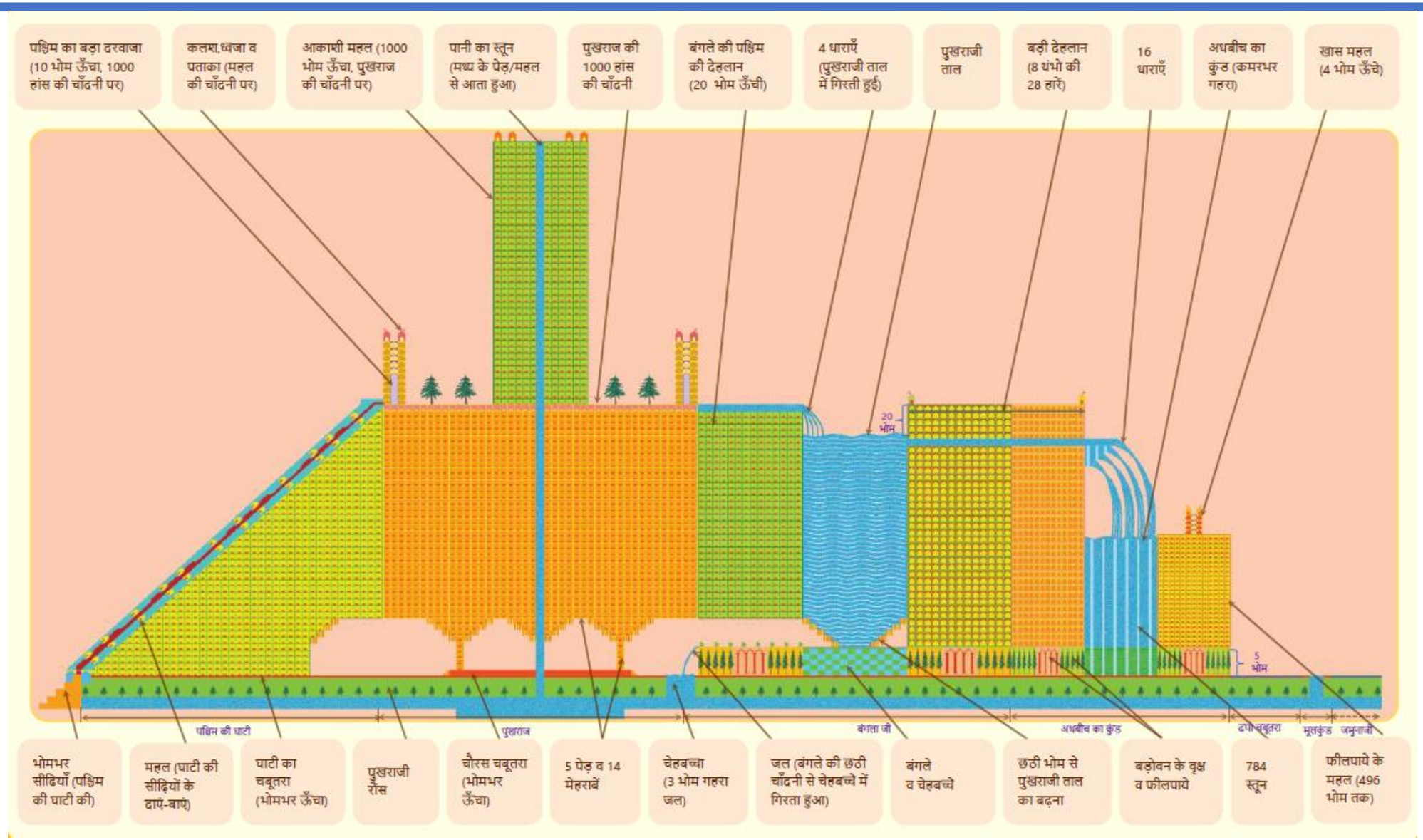

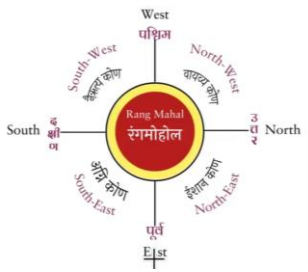

रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

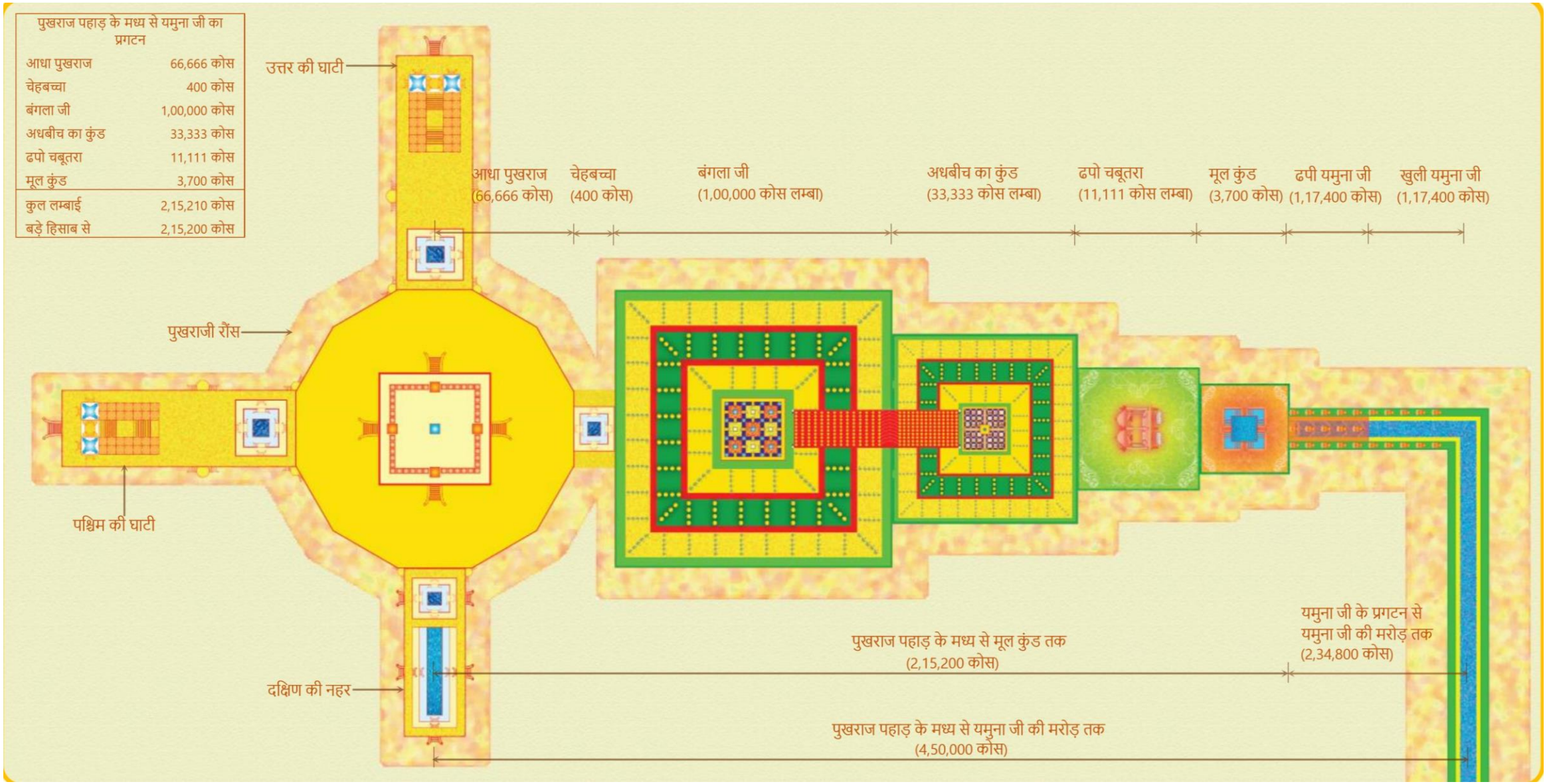

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

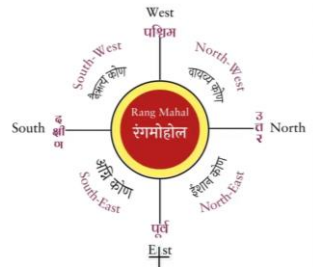

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा– ढपो चबूतरा & मूल कुण्ड की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

- ➢ पुखराज पहाड़
- ➢ पश्चिम की धाटी
- ➢ उतर की धाटी
- ➢ दक्षिण की नहेर
- ➢ बंगलाजी
- ➢ अधबीच का कुण्ड
- ✓ ढपो चबूतरा
- ✓ मूल कुण्ड
- ✓ ढपी खुली जमुनाजी

ढपो चबूतरा
11,111 कोस लंबा – चोड़

मूल कुण्ड
3700 कोस लंबा – चोड़

ढपी खुली जमुनाजी
2,34,800 कोस

ढपो चबूतरा - तलहटी की शोभा

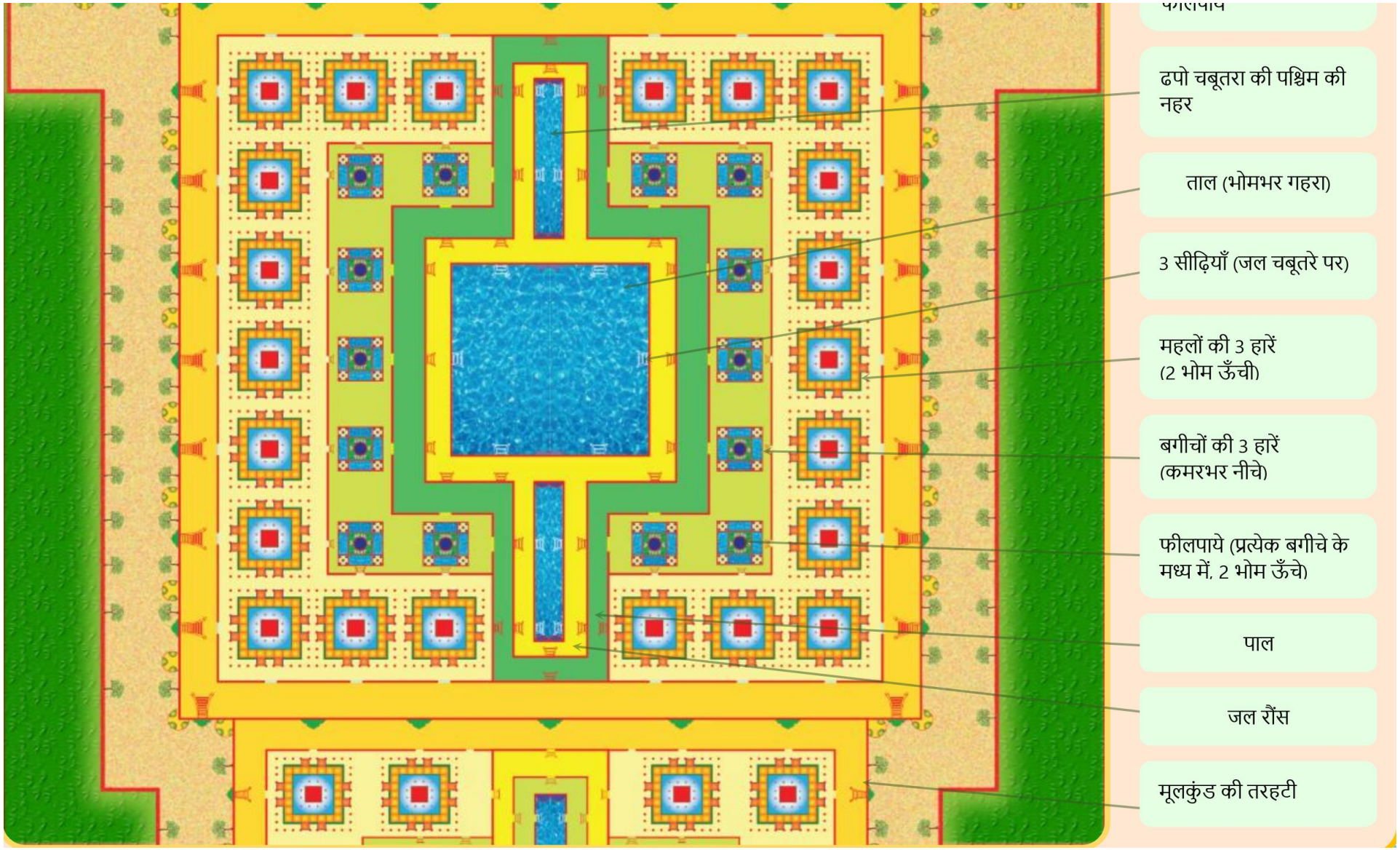

तलहटी – 1 भोम नीचे
11,111 कोस

- महल - 3 हारें
- बगीचा - 3 हारें
- ताल – 3700 कोस लंबा चोड़
- नहेर – 2, पूर्व & पचिम
- सिडिया – भोम पर

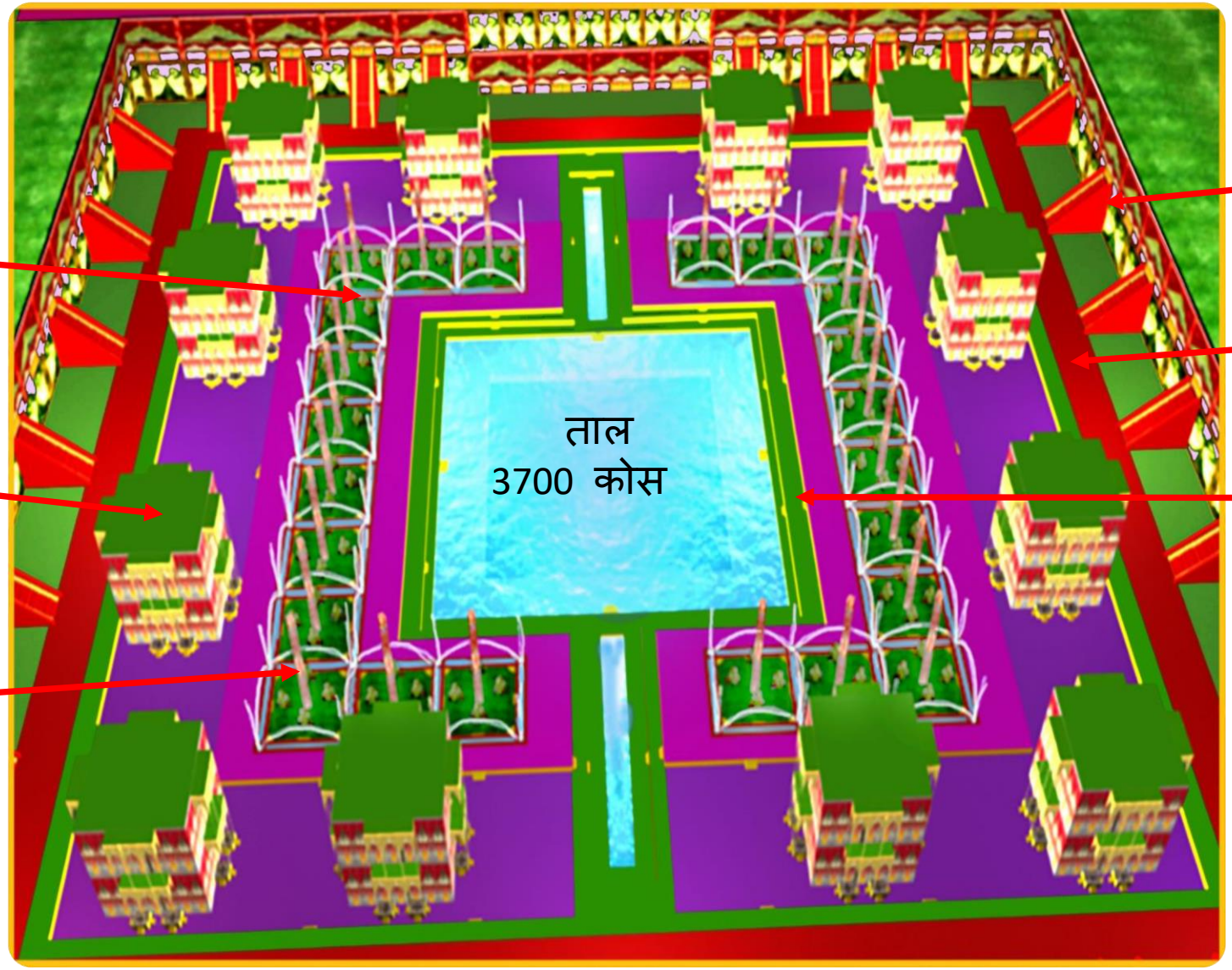
3 बगीचों की हार
3 महलों की हार
2 भोम
बगीचों के थंभ
2 भोम
ताल
3700 कोस
सीडियाँ
रोंस
ताल की
पाल & जल रोंस

ढपो चबूतरा – चबूतरे की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

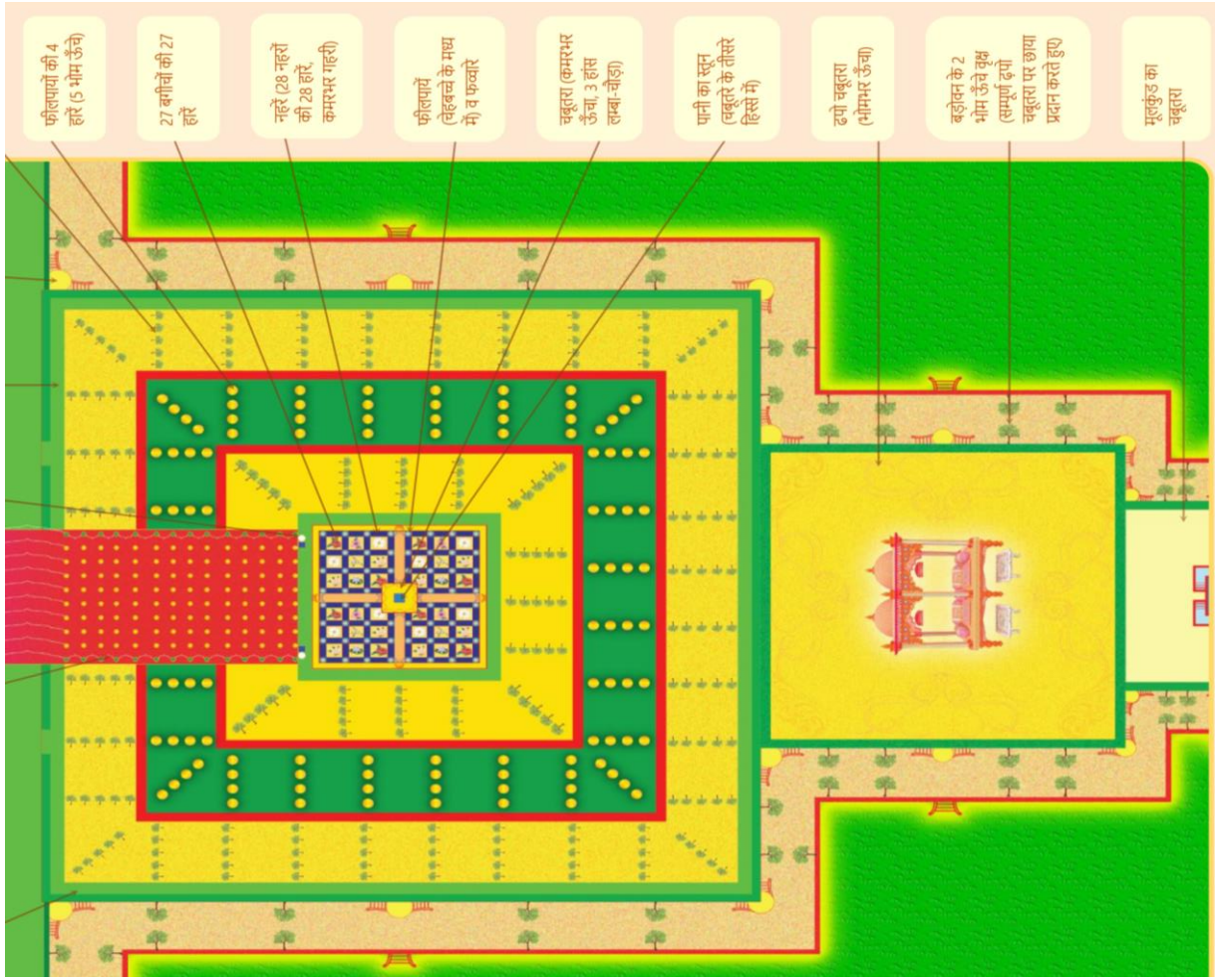

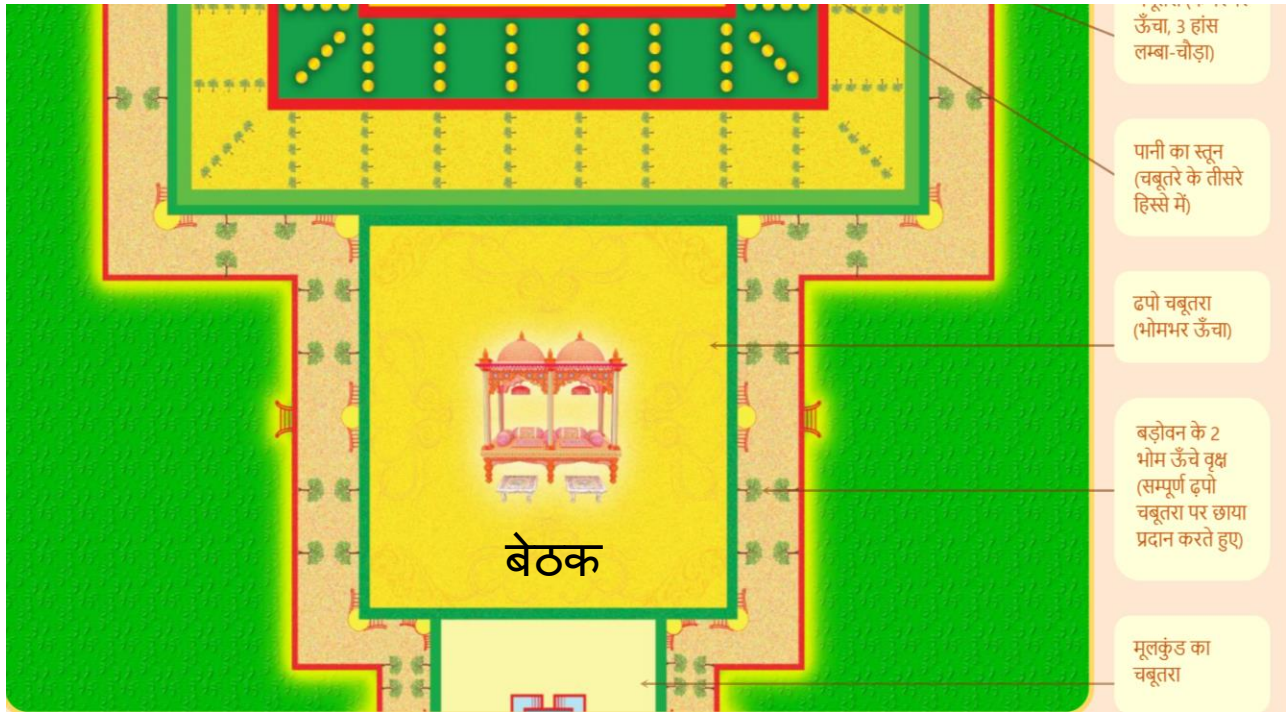

चबूतरा – 1 भोम ऊपर
11,111 कोस

- परिक्रमा रौंस
- गूर्ज
- सीढियाँ
- बड़ों वन के वृक्ष – 2 भोम
- बेठक

मूल कुण्ड – तलहटी & जमुनाजी की शोभा

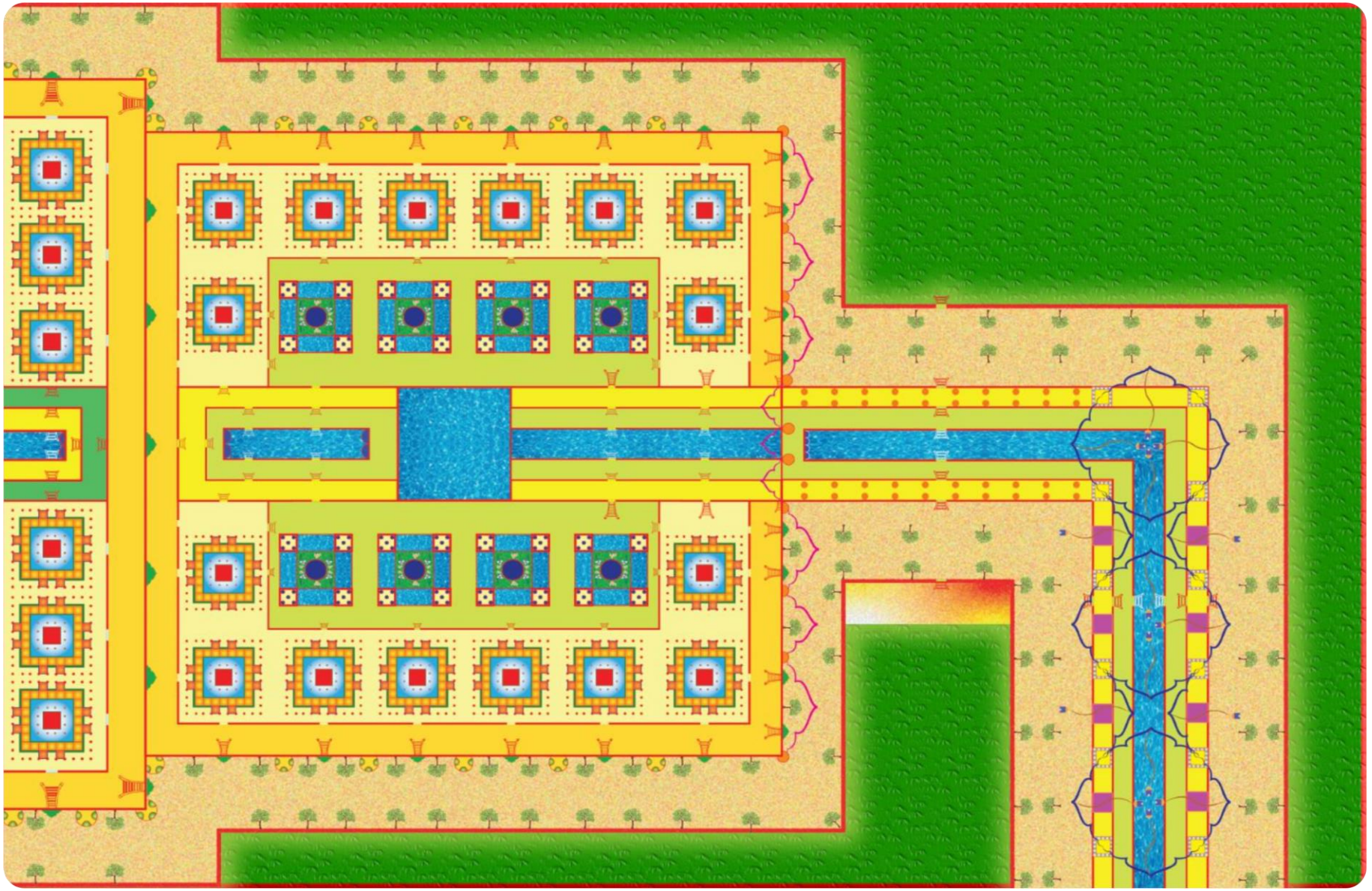

तलहटी – 1 भोम नीचे
3700 कोस लंबा – चोड़
36 हांस

- महल - 1 हारें
- बगीचा – 1 हारें
- मूल कुण्ड – 1200 कोस लंबा चोड़
- नहेर – 2, पूर्व & पचिम
- सिडिया – भोम पर
- दीवार – 2 भोम
- जमुनाजी – तलहटी से भोम पर
- पाल & रोंस - तलहटी से भोम पर

मूल कुण्ड – तलहटी & जमुनाजी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

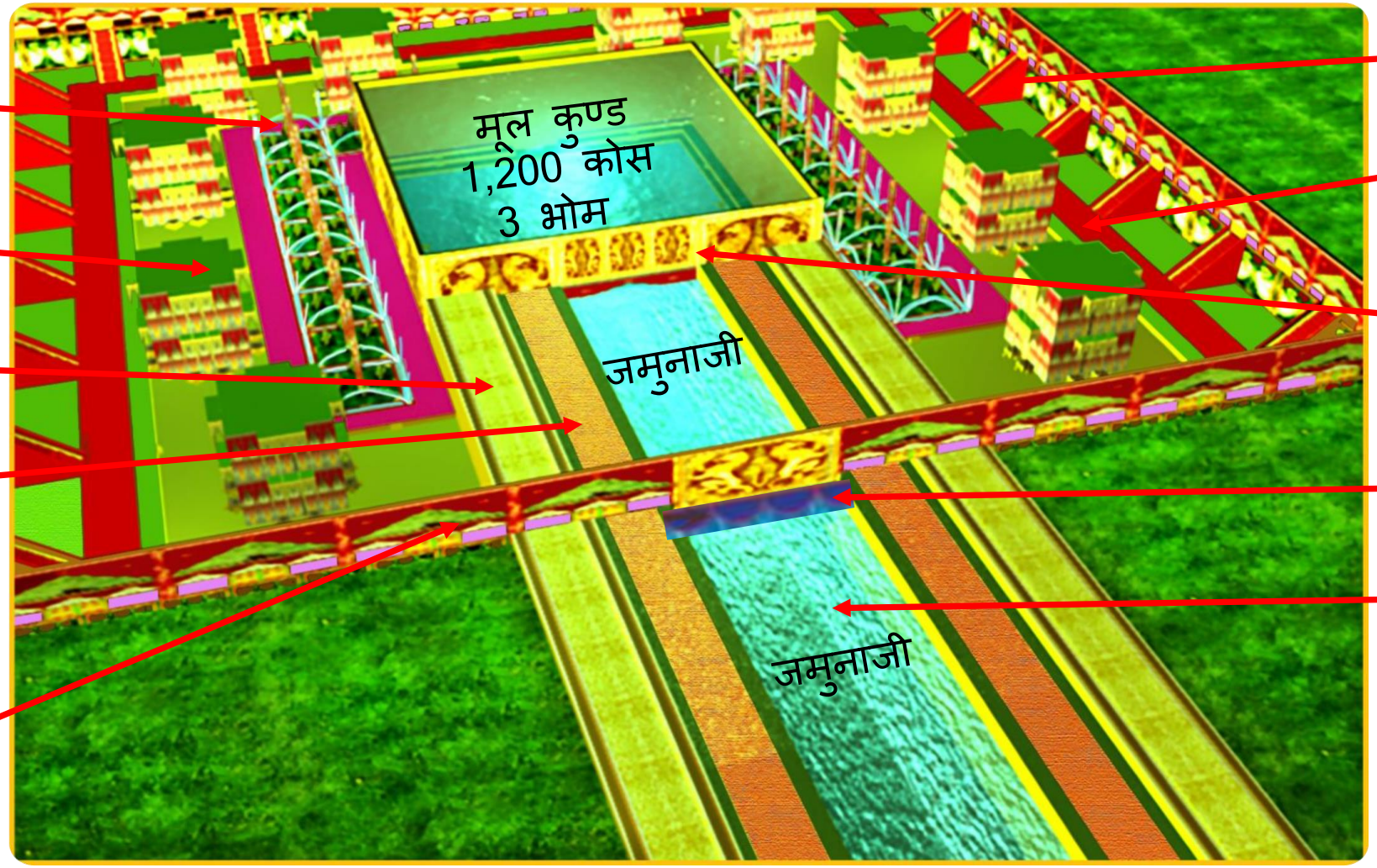

1 बगीचों की हार

1 महलों की हार
2 भोम

पाल – भोम पर
200 कोस

जल रोंस
200 कोस
3 सीडियाँ
पाल पर से

9 अक्शी मेहराव
मध्य महेराव
से जमुनाजी

सीडियाँ

रोंस

दीवार – 2 भोम
तलहटी से चबूतरा

4 धड़नाले

जमुनाजी - 400 कोस
तलहटी से भोम पर

मूल कुण्ड की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

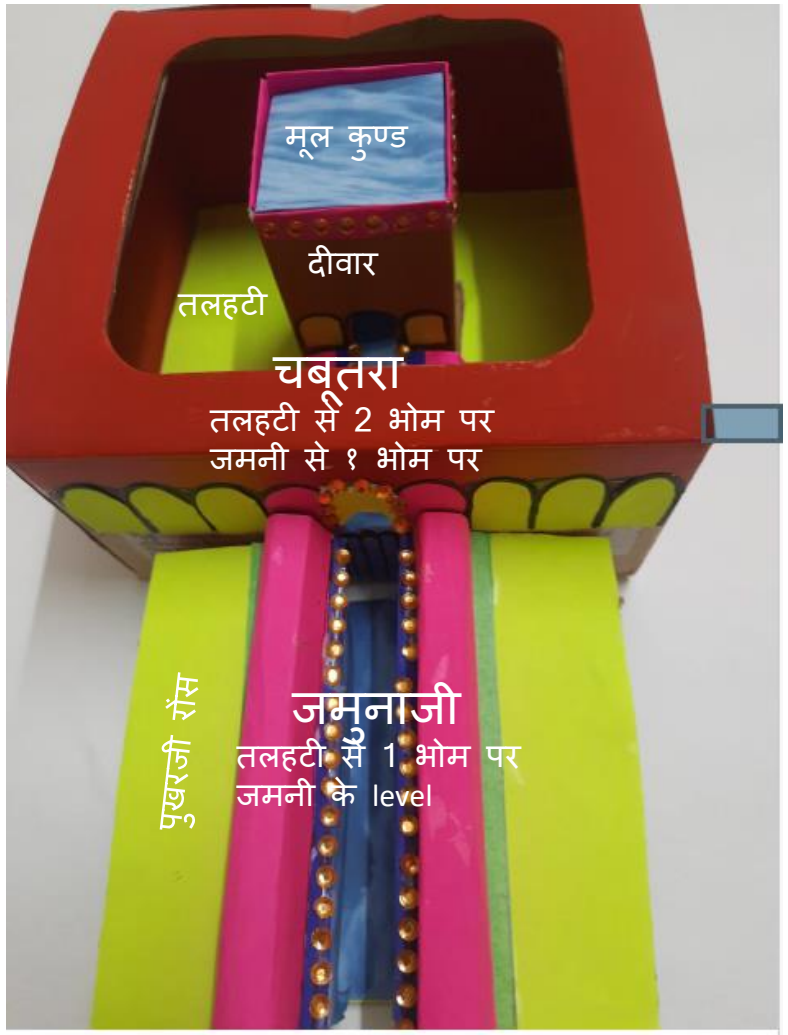

मूल कुण्ड की शोभा

कुण्ड यहाँ खुला नहीं है इसके चारों तरफ दो भोम की दीवार उठी है। कुण्ड एक भोम गहरा होने से इसकी तीन भोम की शोभा आई है।
कुण्ड
1200 कोस
कुण्ड की दूसरी भोम की पूर्वी दीवार में 400 कोस की चौड़ी मेहराब आई है। यहीं से श्री यमुना जी बन कर निकलती है

मूल कुण्ड – चबूतरे की शोभा

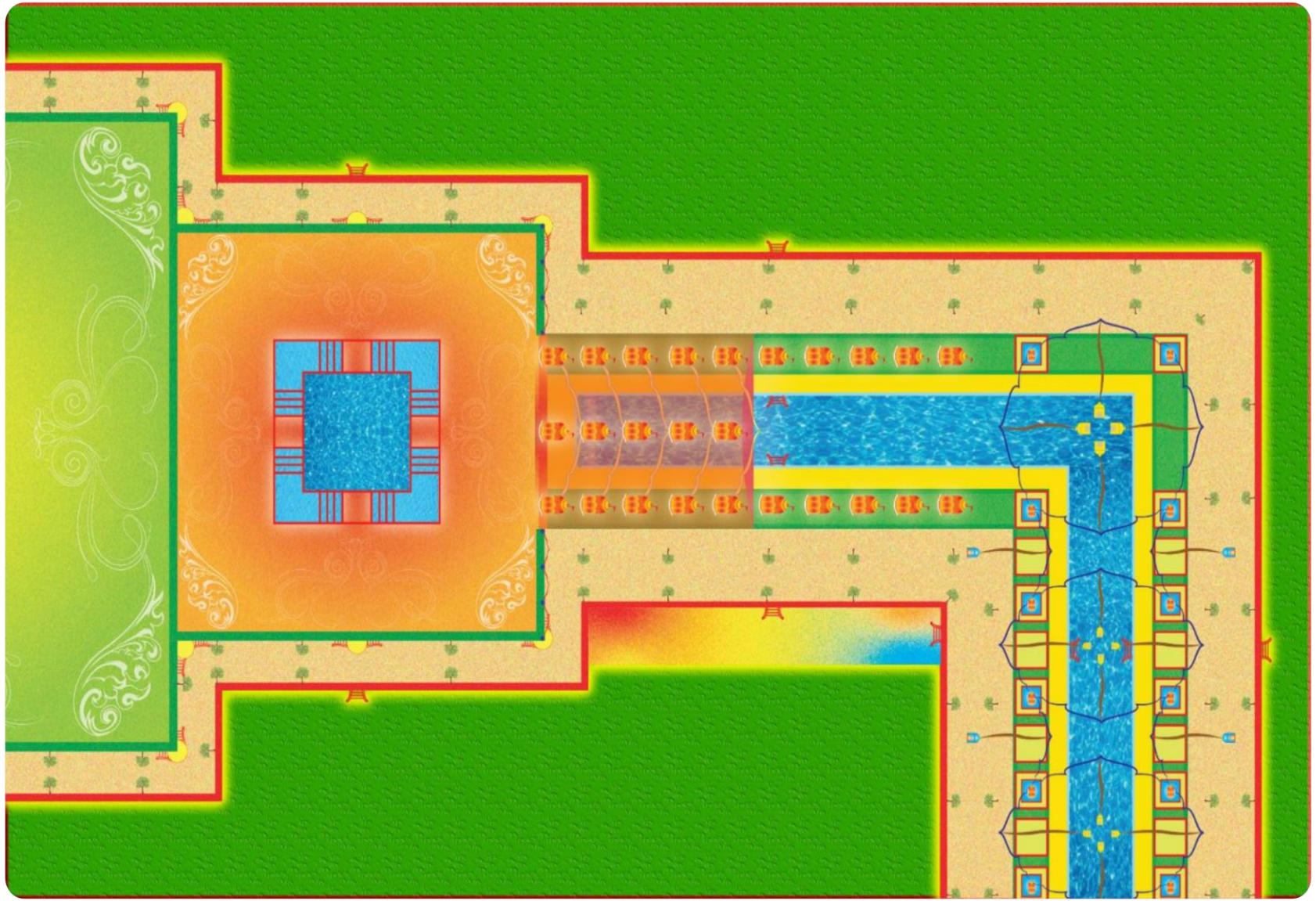

चबूतरा – 1 भोम ऊपर
3700 कोस
36 हांस

- परिक्रमा रोंस
- गुर्ज
- सीडियाँ
- बड़ों वन के वृक्ष
- कुण्ड – 1200 कोस लंबा चोडा , 3 भोम गहेरा
- बैठक
- कथेड़ा
- आक्सी मेहराव – 8
  - मध्य की मेहराव – जमुनाजी

मूल कुण्ड – चबूतरे की शोभा

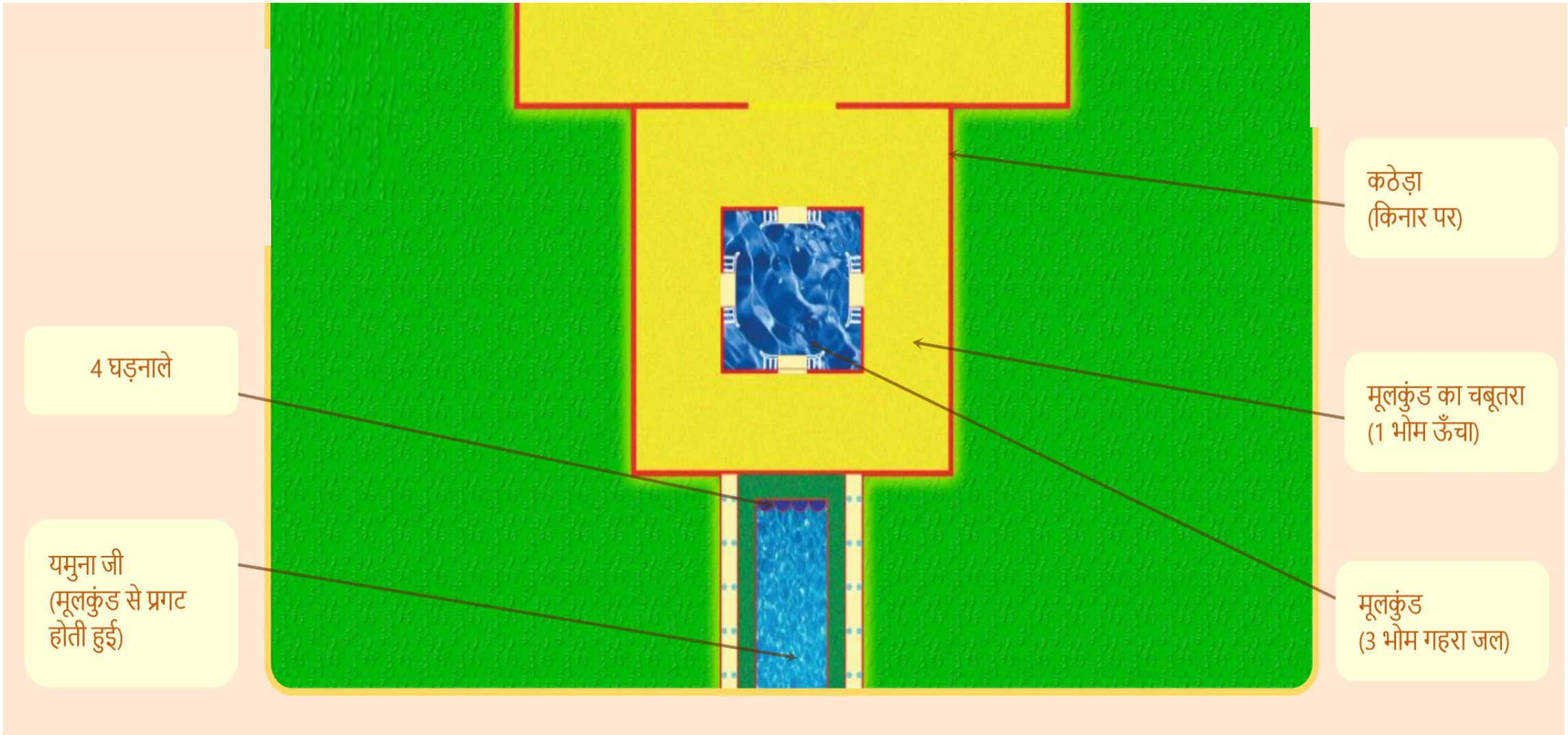

मूल कुण्ड – चबूतरे के कुण्ड & बेठक की शोभा

जमुनाजी : ढपी खुली जमुनाजी एवं 25 देहूरीयों की शोभा

जमुनाजी : मूल कुण्ड से मरोड तक की शोभा

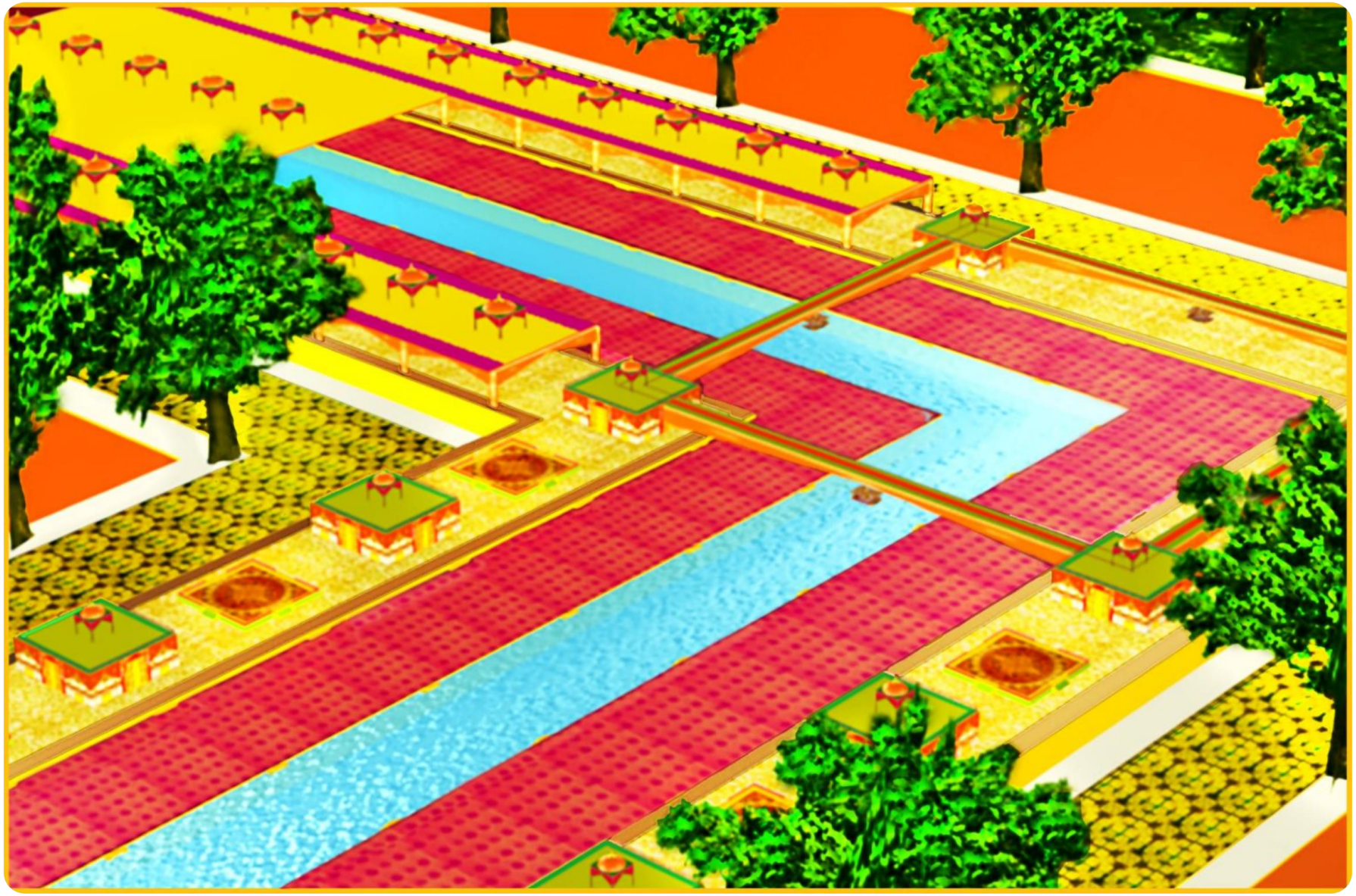

मूलकुण्ड के पूर्व में 400 कोस की मेहराब से होती हुई श्री यमुना जी निकलती है
और मरोड़ तक आधी ढपी हुई है।
जिसकी छत पर गुम्मट ध्वजा,पताका की सारी शोभा आई है। इसके नीचे पाल
पर दो दो थंभों पर मेहराबों की शोभा है।

रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

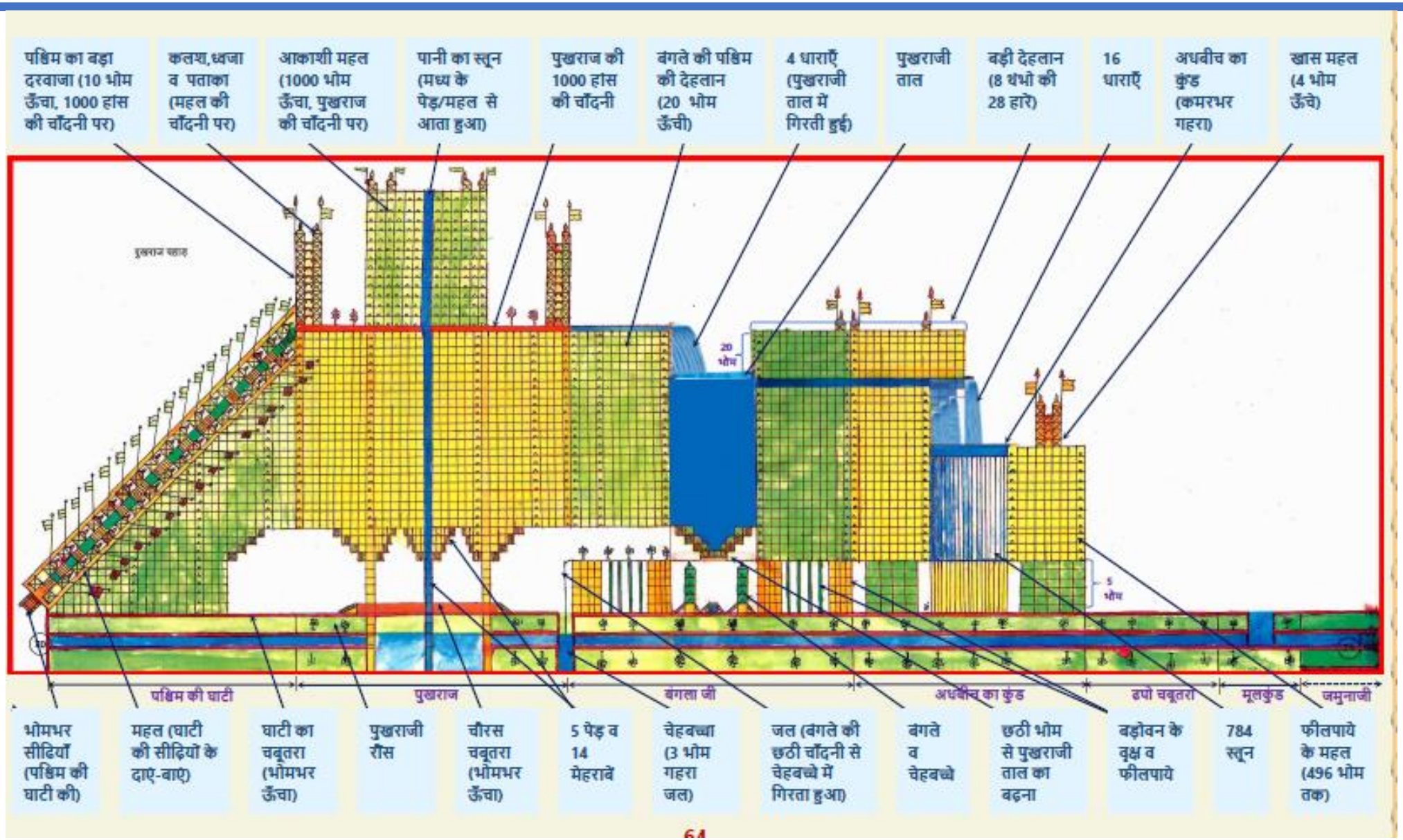

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

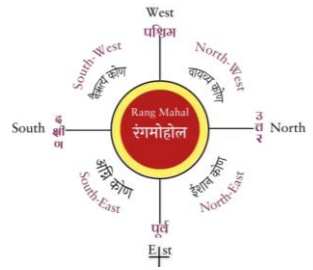

पुखराज –ढपो चबूतरा & मूल कुण्ड की शोभा

OR

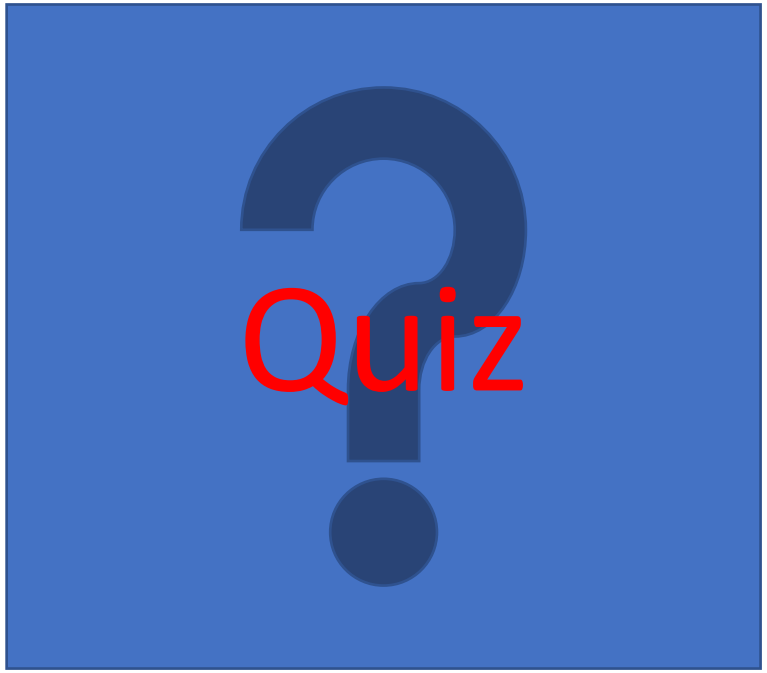

Pranamji – प्रणामजी